Roll No. _____ Code No. Q-4263

SECOND SEMESTER EXAMINATION 2021-22

M.A. - HINDI

Paper - III

fgUnh miU;kl vkj dFkk lkfgR;

Time : 3.00 Hrs. Max. Marks : 80

Total No. of Printed Page : 03 Mini. Marks : 29

ukV & i'u i= rhu [k.Mk e foHkDr g A lHkh rhu [k.Mk d i'u fun'kku lkj gy dhft ; A vadk dk foHkktu iR;d [k.M e fn;k x;k g A

[k.M & ^v*

vfry?kRrjh; i'u ¼vYi 'kCnk e½

प्र.1 निम्नांकित प्रश्नों में से किन्हीं छः प्रश्नों को हल कीजिये – **6x2=12**

(i) हजारी प्रसाद द्विवेदी जी के प्रमुख दो उपन्यास कौन–कौन से हैं ?

(ii) बाणभट्ट को लोग किस प्रकार का व्यक्ति समझते थे ?

(iii) हिन्दी के प्रथम मौलिक उपन्यासकार कौन हैं ?

(iv) शरत की बचपन की सहेली का क्या नाम था ?

(v) यशपाल की दो कहानियों के नाम लिखिए ।

(vi) मधुलिका ने महाराज से इच्छित पुरस्कार क्या मांगा ?

(vii) मन्नू जी का जन्म कब और कहॉ हुआ ?

(viii) भीष्म साहनी को 'तमस' की रचना पर कौन सा पुरस्कार प्राप्त हुआ ?

(ix) भगवती चरण वर्मा के अंतिम उपन्यास का नाम लिखिए।

(x) अमृतलाल नागर जी के प्रथम उपन्यास का नाम लिखिए।

[k.M & ^c*

y?kqRrjh; i'u ¼200 'kCnksa e½

प्र.2 निम्नांकित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों को हल कीजिये । **4x5=20**

(i) होरी का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ii) भट्टिनी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(iii) राहुल सांकृत्यायन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

(iv) राजेन्द्र यादव जी के व्यक्तितत्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

(v) सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''होरी खाट पर पड़ा सब कुछ देखता था, सब कुछ समझता था, जबान बंद हो गई थी हॉ उसकी ऑखों से बहते आंसू बता रहे थे, कि मोह का बंधन तोड़ना कितना कठिन हो रहा है, जो कुछ अपने से नहीं बन पड़ा उसी के दुःख का नाम मोह है, पाले हुए कर्तव्य और निपटाए हुए काम का क्या मोह।''

(vi) सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''महाराजाधिराज ने अपनी नवीन नाटिका भट्टिनी के पास भिजवा दी थी। इस नाटिका का नाम रत्नावली है। धावक ने इस नाटिका की चर्चा की थी। भट्टिनी ने और निपुणिका ने नाटिका को बड़े चाव से पढ़ा। उन्हें वह अच्छी ही लगी होगी, क्योंकि एक दिन उन्होंने इच्छा प्रकट की कि यदि महाराज की अनुमति हो और मुझे प्रसन्नता हो तो इस नाटिका का अभिनय करके महाराजाधिराज को दिखाया जाये।''

(vii) सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''उन्होने अनुभव किया कि वह पत्नी व बच्चों के लिए धनोपार्जन के एक निमित्त मात्र हैं। जिस व्यक्ति के अस्तित्व से पत्नी मॉग में सिंदूर डालने की अधिकारी है समाज में उसका कुछ स्थान है, उसके वह दो वक्त भोजन की थाली रख देने से अपने कर्तव्य से छुट्टी पा जाती है। वह घी और चीनी के डिब्बों में इतनी रमी हुयी है कि वही उसकी संपूर्ण दुनिया बन गयी है।''

[k.M & ^l*

nh?k mRrjh; i'u ¼fuc/kkRed½

प्र.3 निम्नांकित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों को हल कीजिये – 4x12=48

(i) कहानी के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

(ii) उपन्यास और कहानी में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(iii) शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय के पर्व दिशाहारा, दिशा की खोज और दिशान्त पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

(iv) 'बाणभट्ट आत्मकथा' उपन्यास का कथासार अपूर्ण होते हुए भी पूर्ण है। संक्षिप्त में विवेचना कीजिए।

(v) 'वापसी' कहानी एक रिटायर्ड व्यक्ति की विवशता एवं उदासी और अकेलेपन का यथार्थ चित्रण है। इस कथन की पुष्टि कीजिए।

(vi) श्रीमती मन्नू भण्डारी की कहानी कला पर प्रकाश डालते हुए उनकी 'नकली हीरे' शीर्षक कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(vii) उपन्यास कला के प्रमुख तत्वों की विवेचना करते हुए 'गोदान' की संक्षिप्त एवं स्पष्ट समालोचना कीजिए।

--00--